No. of Printed Pages : 7

MBG–005

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2025

MBG-005 : VIBHUTIYOGA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) There are two Sections in the question paper. Both Sections are compulsory.*

(ii) Answer the questions as per instructions mentioned in each Section.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×15=60*

1. Give the Description of Śastradhārī Rāma on the basis of Vibhūtiyoga.

2. Describe Śaṁkara in the form of Divine Manifestation.

3. Write an introduction of Kapilamuni on the basis of Vibhūtiyoga.

4. Mention the elements of the Science of Living-Beings as described in the Gītā.

5. Describe the nature of Environmental Science according to Gītā..

6. Describe the Saptarṣi in the form of Divine Manifestations.

7. Describe Indra in the form of Divine Manifestation.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×10=40*

1. Write a note on the Divine Manifestation Sūrya.

2. Describe the Aṣṭavasu in the form of a Divine Manifestation.

3. Explain that the eleven Rudras are also Divine Manifestations.

4. Describe Yakṣa and Gandharva in the form of Divine Manifestations.

5. Write about the special characteristics of the Sanatkumaras as Divine Manifestation.

6. Give a description of Hanuman.

7. Explain the following :

अहिंसा समता तुष्टिस्तपो दानं यशोऽयशः।

भवन्ति भावा भूतानां मत्त एव पृथग्विधाः॥

MBG–005

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.बी.जी.-005 : विभूतियोग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. विभूतियोग के आधार पर शस्त्रधारी राम का वर्णन कीजिए।

2. देवविभूति के रूप में शंकर का वर्णन कीजिए।

3. विभूतियोग के आधार पर कपिलमुनि का परिचय लिखिए।

4. गीता में वर्णित प्राणिविज्ञान के तत्वों का उल्लेख कीजिए।

5. गीता के अनुसार पर्यावरण विज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. देवविभूतियों के रूप में सप्तर्षियों का वर्णन कीजिए।

7. देवविभूति के रूप में इन्द्र का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. देवविभूति सूर्य पर टिप्पणी लिखिए।

2. विभूति के रूप में अष्टवसु का वर्णन कीजिए।

3. सिद्ध कीजिए कि "एकादश रुद्र भी ईश्वीरीय विभूति हैं।"

4. यक्ष और गन्धर्व का विभूति के रूप में वर्णन कीजिए।

5. सनकादि कुमारों का विभूति के रूप में वैशिष्ट्य लिखिए।

6. हनुमान् का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

अहिंसा समता तुष्टिस्तपो दानं यशोऽयशः।

भवन्ति भावा भूतानां मत्त एव पृथग्विधाः॥

× × × × ×